सत्यमेव जयते

भारत सरकार

एमएसएमई मंत्रालय

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला का संक्षिप्त औद्योगिक प्रोफाइल

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

एमएसएमई विकास संस्थान, कानपुर

(एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार,)

Phone: 0512-2295070-73

Fax: 0512-2240143

E-mail : dcdi-kanpur@dcmsmegov.in

Web- msmedikanpur.gov.in

विषय-सूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1	जिले की सामान्य विशेषताएं	3
1.1	अवस्थिति और भौगोलिक क्षेत्र	3
1.2	स्थलाकृति	4
1.3	खनिजों की उपलब्धता	4
1.4	वन	4
1.5	प्रशासनिक व्यवस्था	4
2	जिला एक नजर में	5
2.1	देवरिया जिले में औद्योगिक क्षेत्र की मौजूदा स्थिति	8
3	देवरिया का औद्योगिक परिदृश्य	8
3.1	उद्योग एक नजर में	8
3.2	पंजीकृत इकाइयों का वर्ष वार रुझान	9
3.3	देवरिया जिले में मौजूदा सूक्ष्म और लघु उद्यमों और कारीगर इकाइयों का ब्यौरा	9
3.4	बड़े उद्योग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम	10
3.5	प्रमुख निर्यात योग्य मद	10
3.6	विकास रुझान	10
3.7	उद्योग का विक्रेताकरण/अनुषंगीकरण	10
3.8	मध्यम उद्यम	10
3.8.1	देवरिया और उसके नजदीकी क्षेत्र में इकाइयों की सूची	10
3.8.2	प्रमुख निर्यात योग्य मद	10
3.9	सेवा उद्यम	11
3.9.1	सेवा उद्योग के लिए संभावित क्षेत्र	11
3.10	नए एमएसएमई के लिए संभावनाएं	11
4	सूक्ष्म और लघु उद्यम के मौजूदा क्लस्टर	11
4.1	प्रमुख क्लस्टरों का ब्यौरा	12
4.1.1	विनिर्माण क्षेत्र	12
4.1.2	सेवा क्षेत्र	12
4.2	पहचाने गए क्लस्टर के ब्यौरे	12
5	बैठक के क्रम में उद्योग संघ द्वारा उठाए गए सामान्य मुद्दे	12
6	एमएसएमई को स्थापित करने के लिए कदम	12

देवरिया जिले का संक्षिप्त औद्योगिक प्रोफाइल

1. जिले की सामान्य विशेषताएं

देवरिया जिला पुराने गोरखपुर ज़िले के कुछ हिस्से को निकालते हुए 16 मार्च 1946 को अस्तित्व में आया। देवरिया नाम शायद देवरण्य या देवपुरिया से लिया गया है।

यह कुर्ण नदी के तट पर स्थित है। उसके दक्षिणी हिस्सों से घाघरा नदी भी बहती है। प्राचीन इतिहास के रामायण युग में यह कौशल नरेश के राज्य के अधीन था। भगवान राम ने अपने सबसे बड़े पुत्र कुश को कुशवटी का राज्य सौंपा था। वह राज्य आजकल कुशीनगर जिले का एक हिस्सा है, जो 1994 में बना था।

1.1 अवस्थिति और भौगोलिक क्षेत्र

यह जिला 26 डिग्री और 28 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 83 डिग्री और 85 डिग्री पूर्वी अक्षांश के बीच स्थित है, जिसमें से 1994 में देवरिया जिले के उत्तरी और पूर्वी हिस्से को लेते हुए कुशीनगर जिला बनाया गया। देवरिया जिला उत्तर में कुशीनगर जिले, पूर्व में गोपालगंज और सिवान (बिहार राज्य), दक्षिण में मऊ और बलिया जिले तथा पश्चिम में गोरखपुर जिले से घिरा हुआ है। देवरिया जिला मुख्यालय पूर्व की ओर सड़क मार्ग से गोरखपुर से 53 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जिला मुख्यालय, सिवान की ओर गोरखपुर-सिवान ब्रॉडगेज रेलवे लाइन पर गोरखपुर से 50 किलोमीटर दूर है। इस जिले की मुख्य नदियां घाघरा, राप्ती और छोटी गंडक हैं। इनके अलावा, गोर्रा, बथुआ, कुर्ना, माझने, नकटा छोटी नदियां/नाले हैं जो उपरोक्त नदियों से निकलते हैं। जिले की जलवायु समसीतोष्ण है। मई और जून गरम होते हैं और दिसंबर तथा जनवरी माह ठंडे होते हैं। इस जिले में अलग-अलग तरह की मिट्टी पाई जाती है। आम तौर पर दोमाट, भाट, मटियार और बलुई दोमाट मिट्टी पाई जाती है। उत्तर प्रदेश का यह उत्पादक और घना बसा जिला राज्य के पूर्वोत्तर सिरे पर स्थित है। वर्तमान में देवरिया जिले में पांच तहसीलें देवरिया, सदर, सलेमपुर, रुद्रपुर, बेरहज और भाटपरानी हैं।

1.2 स्थलाकृति

देवरिया की स्थलाकृति जलोढ़ मिट्टी, बालू और बजरी से बनी है। पहाड़, पठार और दूसरे भौगोलिक उभार यहां नहीं हैं क्योंकि पूरा जिला गंगा के मैदान के पूर्वोत्तर अंचल में आता है। उभार का सामान्य ढलान पश्चिम से पूर्व की ओर है और कुल 130 किलोमीटर की दूरी में है। मुख्य नदी सरयू (घाघरा) है, वर्षा काफी ज्यादा लगभग 1,210 मिमी होती है, जलवायु नम

उप-आर्द से शुष्क उप-आर्द्र है। भूभाग का 73 फीसदी हिस्सा कृषि भूमि है और लगभग आधी कृषि भूमि सिंचित है। सिंचाई के मुख्य स्रोत ट्यूबवेल हैं।

1.2 खनिजों की उपलब्धता

देवरिया जिले में खनिज लगभग नगण्य हैं। वहां सिर्फ निर्माण सामग्री हैं, जिन्हें सरयू नदी (घाघरा) से निकाला जाता है।

क्र.सं.	खनिज का नाम	टन में उत्पादन 2010-2011
मुख्य खनिज		
1.	शून्य	
छोटे-मोटे खनिज		
1.	शून्य	
2.		
3.		

स्रोत: खन व भूविज्ञान विभाग

वन

देवरिया जिले में, 261 हेक्टेयर वन भूमि है। 2010-11 में, कृषियोग्य भूमि 259.8 हेक्टेयर थी। देवरिया डिवीजन के अंतर्गत वन विभाग एक सबडिविजन, 5 रेंज, 16 सेक्शन और 32 बीट के सहयोग से चल रहा है। इस इलाके में यूकिलिप्टस, शीशम, टीम, खैर, शहतूत, चीर, अर्जुन और विविध प्रकार के पेड़ पाए जाते हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था

देवरिया जिले का मुख्यालय देवरिया है जो गोरखपुर डिवीजन के अंतर्गत आता है। 2011 जनगणना के अनुसार, देवरिया जिले में 3,098,637 की जनसंख्या है जो लगभग मंगोलिया देश या अमेरिका के आयोवा राज्य की जनसंख्या के बराबर है। यह भारत में 114वें स्थान पर है (कुल 640 में से)। इस जिले में 1220 व्यक्ति प्रति स्क्वायर किलोमीटर (3200/स्क्वायर मील) का जनसंख्या घनत्व है। 2001-2011 दशक में इसकी जनसंख्या वृद्धि दर 14.23 प्रतिशत थी। देवरिया में प्रति 1000 पुरुषों पर 1013 स्त्रियों का लिंगानुपात है और इसकी साक्षरता दर 73.53 प्रतिशत है।

एक मूलभूत प्रशासनिक इकाई के रूप में इस जिले ने विकेंद्रीकृत नियोजन पर बल के फलस्वरूप एक अधिक विकास तथा विनियामक भूमिका ग्रहण की है। इसे 5 तहसीलों (राजस्व उपमंडल) में बांटा गया है, जो एक सब डिविजनल मजिस्ट्रेट के अधीन हैं। इसके बाद तहसीलों को सोलह विकास खंडों में, खंडों को 176 न्याय पंचायतों में और इन न्याय पंचायतों को 1017 ग्राम सभाओं में बांटा गया है, जिसमें 2162 राजस्व ग्राम हैं।

2. जिला एक नजर में

क्र.सं.	विवरण	वर्ष	इकाई	आंकड़े
1	**भौगोलिक विशेषताएं**			
(क)	भौगोलिक आंकड़े			
	i अक्षांश रेखा	2011		26 डिग्री और 28 डिग्री उत्तर
	Ii देशांतर रेखा			83 डिग्री और 85 डिग्री पूर्व
	iii भौगोलिक क्षेत्र		स्क्वायर किमी	2527
(ख)	प्रशासनिक इकाइयां	2011		
	1 सब डिवीजन			
	2 तहसील			05
	3 उप तहसील			
	4 पटवार सर्कल			
	5 पंचायत समिति			176
	6 नगर निगम			
	7 नगर पालिका			02
	8 ग्राम पंचायत			1017
	9 राजस्व ग्राम			2162
	10 विधानसभा क्षेत्र			7
2.	**जनसंख्या**			3,098,637
(क)	लिंग वार			
	1. पुरुष	2011		1539608
	2. स्त्रियां	2011		1559029
(ख)	ग्रामीण जनसंख्या	2011		2781739
3.	**कृषि**			
क	कृषि उपयोग			
	1. कुल क्षेत्र	2011	हेक्टेयर	249376

	2. वनाच्छादित क्षेत्र	2011	हेक्टेयर	261
	3. गैर कृषि भूमि	2011	हेक्टेयर	32181
	4. कृषि योग्य बंजर भूमि	2011	हेक्टेयर	1618
4.	वन			
	1. वन	2010-11	हेक्टेयर	261
5.	पशुधन और पोल्ट्री			
क	कैटल			
	1. गायें	2007	संख्या	56771
	2. भैंस	2007	संख्या	107426
ख	अन्य पशुधन			
	1. बकरियां	2007	संख्या	254169
	2. सूअर	2007	संख्या	16053
	3. कुत्ते और कुतियां कुल	2007	संख्या	8228
4	रेलवे			
	रेल लाइन की लंबाई	2010-11	किलोमीटर	**111**
5	सड़कें			
	क. राष्ट्रीय राजमार्ग	2010-11	किलोमीटर	04
	ख. राज्य राजमार्ग	2010-11	किलोमीटर	68
	ग. मुख्य जिला राजमार्ग	2010-11	किलोमीटर	134
	घ. अन्य जिला व ग्रामीण सड़कें	2010-11	किलोमीटर	2186
	ङ. ग्रामीण सड़क/कृषि विपणन बोर्ड सड़कें	2010-11	किलोमीटर	2286.27
	च. कच्ची सड़कें	2010-11	किलोमीटर	
6	संचार			
	क. टेलीफोन कनेक्शन	2010-11		**7072**
	ख. डाकघर	2010-11	संख्या	291
	ग. टेलीफोन सेंटर	2010-11	संख्या	
	घ. टेलीफोन का घनत्व	2010-11	संख्या प्रति 1000 व्यक्ति	
	ङ. टेलीफोन का घनत्व	2010-11	संख्या प्रति किमी	
	च. पीसीओ ग्रामीण	2010-11	संख्या	800
	छ. पीसीओ एसटीडी	2010-11	संख्या	819

	ज. मोबाइल	2010-11	संख्या	
7	**जन स्वास्थ्य**			
	क. एलोपैथी अस्पताल	2010-11	संख्या	100
	ख. एलोपैथी अस्पतालों में बिस्तर		संख्या	1216
	ग. आयुर्वेदिक अस्पताल		संख्या	44
	घ. आयुर्वेदिक अस्पतालों में बिस्तर		संख्या	171
	ङ. यूनानी अस्पताल		संख्या	2
	च. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र		संख्या	36
	छ. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र		संख्या	81
	ज. डिस्पेंसरी		संख्या	10
	झ. उप स्वास्थ्य केंद्र		संख्या	315
	ट. निजी अस्पताल		संख्या	-
	ठ. होमियोपैथी अस्पताल		संख्या	27
8	**बैंकिंग कर्मिशयल**			
	क. कमर्शियल बैंक		संख्या	73
	ख. ग्रामीण बैंक उत्पाद		संख्या	54
	ग. कोआपरेटिव बैंक उत्पाद		संख्या	21
	घ. पीएलडीबी शाखाएं		संख्या	3
9	**शिक्षा**			
	क. प्राथमिक स्कूल		संख्या	6060
	ख. माध्यमिक स्कूल		संख्या	2674
	ग. सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूल		संख्या	4692
	घ. कॉलेज		संख्या	47

2.1 देवरिया जिले में औद्योगिक क्षेत्र की मौजूदा स्थिति

क्र.सं.	औद्योगिक क्षेत्र का नाम	अधिगृहित भूमि (एकड़ में)	विकसित भूमि (एकड़ में)	प्रचलित दर प्रति स्क्वायर मी (रुपये में)	प्लॉटों की संख्या	आवंटित प्लॉटों की संख्या	खाली प्लॉटों की संख्या	उत्पादन में इकाइयों की संख्या
1	**औद्योगिक क्षेत्र देवरिया**	147.89	121.58	225.00	155	153	02	08
2	**औद्योगिक इस्टेट सलेमपुर**	5.0	5.0	1200.00	21	21	-	04
	कुल							

स्रोत: डीआईसी देवरिया

3. देवरिया का औद्योगिक परिदृश्य

3.1 उद्योग एक नजर में

क्र.सं.	शीर्ष	इकाई	ब्यौरा
1	पंजीकृत औद्योगिक इकाई	संख्या	5226
2	कुल औद्योगिक इकाई	संख्या	7500
3	पंजीकृत मध्यम और बड़ी इकाई	संख्या	27
4	लघु उद्योगों में कार्यरत दैनिक कर्मचारियों की अनुमानित औसत संख्या	संख्या	1700
5	बड़े और मध्यम उद्योगों में रोजगार	संख्या	450
6	औद्योगिक क्षेत्र की संख्या	संख्या	02
7	लघु उद्योगों का टर्नओवर	लाख रुपये में	लागू नहीं
8	मध्यम और बड़े उद्योगों का टर्नओवर	लाख रुपये में	लागू नहीं

3.2 पंजीकृत इकाइयों का वर्ष वार रुझान

वर्ष	पंजीकृत इकाइयों की संख्या	रोजगार	निवेश (लाख रुपये में)
2005-06	315	1123	190
2006-07	209	616	170
2007-08	311	1617	1332
2008-09	360	1401	419
2009-10	360	1210	424
2010-11	361	1221	805
2011-12	360	1213	1156
कुल			

स्रोत: डीआईसी देवरिया

3.3 देवरिया जिले में मौजूदा सूक्ष्म और लघु उद्यमों और कारीगर इकाइयों का ब्यौरा

जिला नाम – देवरिया, मार्च 2011 तक

एनआईसी	इंडस्ट्रीज	इकाईयों की संख्या			निवेश (करोड़ रुपये में)			रोजगार		
समूह		एच.आई.	एसएसआई	कुल	एच.आई.	एसएसआई	कुल	एच.आई.	एस.एस.आई.	कुल
20-21	खाद्य उत्पाद	16	3203	**3219**	140.47	32.56	**173.0**	13380	11591	**24971**
22	पेय, तंबाकू और तंबाकू उत्पाद	1	20	**21**	2.22	0.22	**2.44**	122	79	**201**
23	सूती वस्त्र	0	6	**6**	0.00	0.02	**0.02**	0	28	**28**
24	ऊन, सिल्क और सिंथेटिक वस्त्र	0	29	**29**	0.00	0.14	**0.14**	0	117	**117**
25	जूट, हेम्प और मेस्टा वस्त्र	0	0	**0**	0.00	0.00	**0.00**	0	0	**0**
26	होजरी एवं कपड़े	0	711	**711**	0.00	2.65	**2.65**	0	2604	**2604**
27	लकड़ी के उत्पाद	0	540	**540**	0.00	2.95	**2.95**	0	3370	**3370**
28	कागज उत्पाद एवं छपाई	1	152	**153**	1.26	5.78	**7.04**	73	762	**835**
29	चर्म उत्पाद	0	67	**67**	0.00	0.24	**0.24**	0	203	**203**
30	रबड़ एवं प्लास्टिक उत्पाद	0	71	**71**	0.00	1.47	**1.47**	0	316	**316**
31	रसायन एवं रसायन उत्पाद	0	191	**191**	0.00	1.28	**1.28**	0	679	**679**
32	गैर धातुयी खनिज उत्पाद	0	138	**138**	0.00	5.68	**5.68**	0	1191	**1191**

33	मूल धातु इंडस्ट्री	0	49	**49**	0.00	1.22	**1.22**	0	235	**235**
34	धातु उत्पाद	0	452	**452**	0.00	5.23	**5.23**	0	2148	**2148**
35	इलेक्ट्रिकल को छोड़कर अन्य मशीनरी एवं पार्ट	0	109	**109**	0.00	0.56	**0.56**	0	439	**439**
36	इलेक्ट्रिकल मशीनरी एवं एपरेटस	0	18	**18**	0.00	0.19	**0.19**	0	81	**81**
37	परिवहन उपकरण एवं पार्ट्स	0	11	**11**	0.00	0.12	**0.12**	0	59	**59**
38	विविध निर्माण	0	1195	**1195**	0.00	9.85	**9.85**	0	3989	**3989**
96 97	मरम्मत एवं सर्विसिंग इंडस्ट्री	0	1658	**1658**	0.00	7.88	**7.88**	0	4157	**4157**
	कुल	18	8620	**8638**	**143.95**	**78.04**	**221.90**	**13575**	**32048**	**45623**

3.4 बड़े उद्योग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम – शून्य

3.5 प्रमुख निर्यात योग्य मद – शून्य

3.6 विकास रुझान – सकारात्मक

3.7 उद्योग का विक्रेताकरण/अनुषंगीकरण – शून्य

3.8 मध्यम उद्यम

3.8.1 देवरिया और उसके नजदीकी क्षेत्र में इकाइयों की सूची

1. कृष्णा एक्स्ट्रा बोर्ड वैतालपुर देवरिया
2. उज्ज्वल एक्वाटेल लिमिटेड देवरिया
3. माता डी राइस एंड फ्लोर मिल बराहज देवरिया
4. लक्ष्मी फ्लोर मिल कसिया रोड देवरिया
5. ओम साई फूल इंडस्ट्रियल इस्टेट उसरा बाजार देवरिया
6. जे पी कैमिकल्स देवरिया
7. आंचल भारती प्रिंटिंग प्रेस देवरिया
8. मां इंडस्ट्रीज देवरिया
9. हंसराज मोटर्स देवरिया
10. यू पी एल्यूमिनियम इंडस्ट्रीज सलेमपुर देवरिया
11. जायसवाल गुड उद्योग देवरिया
12. एस के मेटल इंडस्ट्रीज देवरिया
13. जायसवाल मिनी फ्लोर मिल देवरिया

14. महालक्ष्मी फ्लोर मिल देवरिया
15. जायसवाल फ्लोर मिल देवरिया
16. श्रीवास्तव गारमेंट्स देवरिया
17. मिश्रा सर्विस स्टेशन सलेमपुर देवरिया
18. जे पी टायर रीट्रेडिंग देवरिया
19. रमेश चंद खंडेलवाल एंड कं, देवरिया
20. आर के एग्रो प्रा. लि. देवरिया
21. गुप्ता राइस मिल देवरिया

3.8.2 मुख्य निर्यातयोग्य मद

हस्तशिल्प मदें

3.9 सेवा उद्यम

1. पूर्वांचल टीवीएस बरहज देवरिया
2. गणपति ऑटोमोबाइल देवरिया
3. स्टार ऑटो मोबाइल देवरिया
4. रेणुका रेस्टोरेंट्स राघव नगर देवरिया
5. सावित्री नर्सिंग होम बरहज रोड देवरिया
6. संजीवनी हॉस्पीटल देवरिया
7. मून लाइट रेस्टोरेंट देवरिया
8. वी एस इंफ्रास्ट्रकचर देवरिया
9. ओम साई फूड उसरा बाजार देवरिया

3.9.1 सेवा उद्योग के लिए संभावित क्षेत्र

क. व्यावसायिक प्रशिक्षण उद्योग
ख. शिक्षा उद्योग
ग. पर्यटन उद्योग
घ. पैथोलॉजी लैब
ङ. कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र
च. मोबाइल रिपेयरिंग/सर्विसिंग
छ. ऑटो रिपेयरिंग/सर्विसिंग
ज. ब्यूटी पार्लर

3.10 नए एमएसएमई के लिए संभावना

क. कृषि आधारित उद्योग
ख. प्लास्टिक व प्लास्टिक उत्पाद

ग. रेडीमेड गारमेंट्स
घ. कॉटन होजरी
ङ. जूता उद्योग
च. साबुन व डिटर्जेंट
छ. फर्नीचर उद्योग
ज. इंजीनियरिंग उत्पाद
झ. लीड एसिड स्टोरेज बैटरी व एसेसरीज

4. सूक्ष्म और लघु उद्यमों के मौजूदा क्लस्टर – शून्य

4.1 बड़े क्लस्टरों का ब्यौरा – शून्य

4.1.1 विनिर्माण क्षेत्र – शून्य

4.1.2 सेवा क्षेत्र

4.2 पहचाने गए क्लस्टरों का ब्यौरा – शून्य

5. बैठक के क्रम में उद्योग संघ द्वारा उठाए गए सामान्य मुद्दे

क. लगातार बिजली आपूर्ति की समस्या, जल निकासी समस्या
ख. कुशल जन शक्ति की उपलब्धता
ग. एमएसएमई योजनाओं के बारे में जागरूकता
घ. प्रौद्योगिकी व वित्तीय समर्थन
ङ. कच्चे माल की उपलब्धता और बाजार तक पहुंच की समस्याएं
च. विद्युत स्वीकृति और आकलन संबंधी समस्याएं
छ. वित्त संबंधी समस्याएं
ज. कारीगर क्रेडिट कार्ड प्रगति नगण्य रही है और चर्चा का विषय है।
झ. औद्योगिक इस्टेट प्लॉट/अतिक्रमण संबंधी समस्याएं आदि

6. एमएसएमई को स्थापित करने के लिए कदम

उद्यमियों को सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न एजेंसियों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नलिखित है:

क्र.सं.	सहायता का प्रकार	एजेंसियों के नाम और पते
1	अस्थायी पंजीकरण प्रमाणपत्र (ईएम 1) और स्थायी पंजीकरण प्रमाणपत्र (ईएम 2)	जिला औद्योगिक केंद्र (डीआईसी) देवरिया, उ.प्र.
2	परियोजना प्रोफाइलों की पहचान, टेक्नो-इकोनॉमिक और मैनेजेरियल कंसल्टेंसी	एमएसएमई विकास संस्थान, कानपुर, उ.प्र.

	सेवाएं, बाजार सर्वेक्षण और आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट	
3	भूमि और औद्योगिक शेड	यूपीएसआईडीसी, जीआईडीए
4	वित्तीय सहायता	राष्ट्रीयकृत बैंक और यूपीएफसी
5	सरकारी आपूर्ति के तहत कच्चा माल	1. एनएसआईसी, गोरखपुर 2. यूपीएसआईडीसी
6	हायर/परचेज आधार के तहत प्लांट व मशीनरी	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी), गोरखपुर
7	बिजली	बिजली बोर्ड – यूपी पावर कारपोरेशन लि.
8	तकनीकी जानकारी	एमएसएमई विकास संस्थान, कानपुर
9	गुणवत्ता व मानक	एमएसएमई विकास संस्थान, कानपुर
10	विपणन/निर्यात सहायता	1. एमएसएमई विकास संस्थान, कानपुर 2. एनएसआईसी – गोरखपुर
11	अन्य संवर्धनात्मक एजेंसियां	1. एमएसएमई विकास संस्थान, कानपुर 2. एनएसआईसी – गोरखपुर